राज्यपाल महोदय श्री राम नरेश यादव का रेडक्रास के नये भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में उद्बोधन

स्थान :- भोपाल दिनांक :- 8 मई, 2013 समय :- प्रात: 9-30 बजे

विश्व रेडक्रास दिवस पर मध्यप्रदेश रेडक्रास के नये भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। रेडक्रास के जनक श्री हेनरी डयुनांट के जन्म दिन 8 मई को प्रतिवर्ष विश्व रेडक्रास दिवस के रूप में मनाया जाता है। मैं इस अवसर पर आप सभी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। इस वर्ष विश्व रेडक्रास दिवस की थीम " 50 Years of Humanitarian Action" के रूप में मनाया जायेगा। श्री हेनरी डयुनांट ने आस्ट्रीया और फ्रांस के बीच युद्ध के दौरान सेलफ्रेनों (इटली) में युद्ध की विभीषिका देखी तभी वे अपने सभी कार्य छोड़कर उसी दिन कुछ सेवाभावी साथियों को एकत्र कर युद्ध में घायल व्यक्तियों एवं सैनिकों की मदद में लग गये। उनके प्रयासों से वर्ष 1864 में जिनेवा में आयोजित एक सम्मेलन में रेडक्रास को प्राथमिक मान्यता मिली और रेडक्रास के वालंटियर्स को युद्ध स्थलों में बिना रोक टोक आने जाने एवं मदद कार्य संचालित करने के लिए अधिकृत रूप से मान्य किया गया। रेडक्रास के मूल सिद्धांत मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वप्रेरित सेवा, एकता और सर्वभौमिकता हैं।

आमजनों में जिस तेजी से रेडक्रास ने अपना विश्वास जगाया है और लोकप्रियता हासिल की है,वह न केवल एक उदाहरण है बल्कि अनुकरणीय भी है। आज रेडक्रास अस्पताल और इसकी शाखाओं में इलाज कराने और सहायता प्राप्त करने के लिए लोगों की भीड़ लगी रहती है। यह सब आपकी सेवा भावना का परिणाम है।

आप सभी जानते हैं कि रेडक्रास विश्व स्तर पर पीड़ित मानवता और दुखी जनों की नि:स्वार्थ सेवा के लिए समर्पित संस्था है। विश्व रेडक्रास के अंतर्गत विश्व स्तर पर आपदा प्रबंधन, फैमिली न्यूज सर्विस, यूथ रेडक्रास एवं जूनियर रेडक्रास आदि के कार्य एवं प्रशिक्षण सम्पन्न किये जाते हैं। मध्यप्रदेश रेडक्रास के अंतर्गत 50 जिलों में जिला शाखाएं और 60 उप शाखाएं कार्यरत हैं। अब तक प्रदेश में 7 लाख से अधिक व्यक्ति रेडक्रास के आजीवन सदस्य बने हैं।

रेडक्रास का प्रदेश प्रमुख होने के नाते मैं, आपको बताना चाहूंगा कि रेडक्रास का आधार मुख्यत: स्वप्रेरित सेवा है। इस संस्था द्वारा भोपाल में एक सर्वसुविधायुक्त चिकित्सालय संचालित किया जा रहा है। इस चिकित्सालय में बढ़ती हुई मरीजों की संख्या को देखते हुए एवं चिकित्सा उपचार की सुविधा, ओ.पी.डी., आई.पी.डी. बिस्तरों को बढ़ाने के लिए बहुमंजिला रेडक्रास चिकित्सालय के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया जा रहा है। मुझे जानकर प्रसन्नता हो रही है कि इस नये चिकित्सालय में सोनोग्राफी, एन्डोस्कॉपी, एक्स-रे यूनिट, ओ.पी.डी, पैथौलॉजी यूनिट स्थापित कर गरीब एवं निर्धन व्यक्तियों को उक्त सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा। इस रेडक्रास चिकित्सालय में छोटे स्तर पर संचालन तथा उपलब्ध सुविधा एवं उपचारित मरीजों की संख्या को देखते हुए सहज ही यह अंदाजा हो जाता है कि यह चिकित्सालय मध्यप्रदेश में संचालित निजी क्षेत्र के अन्य चिकित्सालयों की तुलना में श्रेष्ठतम है।

मैं रेडक्रास के पदाधिकारियों से कहना चाहता हूं कि सिर्फ अस्पताल के नाम से भवन तैयार कर देने से ही स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने की समस्या का हल नहीं हो जाता है। आपको अपनी जिम्मेदारी कर्मठता से निभानी होगी। आपको देखना होगा की अस्पताल में डाक्टर और दवाइयों की व्यवस्था ठीक ढंग से चल रही है। गरीब मरीजों को उनकी पहुंच से दूर दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं या नहीं।

चिकित्सकों से मेरा आग्रह है कि लोगों को समझायें कि हर बीमारी का इलाज है। आवश्यकता इस बात की है कि चिकित्सकीय परामर्श का इमानदारी से पालन किया जाये, दिनचर्या को तनाव मुक्त रखने की कोशिश की जाये। रेडक्रास से लोगों को सबसे ज्यादा अपने मरीजों के लिए समय पर रक्त मिलने की आशा रहती है। लोगों की यह शिकायत रहती है कि रक्त सही समय पर नहीं मिल पाता। इसलिए मैं आप लोगों से कहना चाहता हूं कि ऐसी व्यवस्था करें की लोगों को समय पर रक्त मिल सके। उन्हें इसके लिए इधर से उधर नहीं भटकना पड़े ।

मुझे आशा है कि यह भवन तैयार होने के बाद लोगों की समस्याएं दूर हो सकेंगी और मरीजों का जल्द इलाज हो सकेगा।

जय हिन्द।